PERFORM INDIA
National Movement for Developed India

विश्व शौचालय दिवस

विशेषांक

वर्ष : 1, अंक : 1
19 नवंबर, 2019

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

विश्व शौचालय दिवस पर्याप्त स्वच्छता के महत्व पर बल देता है और सभी के लिए सुरक्षित और स्वच्छ शौचालयों की पहुंच की सिफारिश करता है। इसका मकसद विश्व के हर नागरिक को शौचालय मुहैया कराने के लिए जागरूक करना है। भारत इस मकसद को पूरा करने में कहां तक सफल हुआ, आज इसका आकलन करने का दिन है। देश के हर नागरिक को शौचालय मुहैया कराने की दिशा में भारत ने उल्लेखनीय प्रगति की है। पिछले सत्तर सालों में जो लक्ष्य प्राप्त नहीं हुआ, उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सत्ता में आने के बाद प्राप्त किया गया है। 2014 से पहले करीब 39 प्रतिशत घरों में शौचालय की सुविधा थी, वहीं मोदी सरकार में यह आंकड़ा बढ़कर 100 प्रतिशत तक पहुंच गया। यानी आज देश के हर घर में शौचालय की सुविधा उपलब्ध है। इस सफलता के पीछे पीएम मोदी की प्रतिबद्धता और उनकी प्रेरणा की अहम भूमिका रही। उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान को जनआंदोलन बना दिया। समाज के हर वर्ग ने अपनी भूमिका निभाई, जिसका परिणाम है कि आज भारत खुले में शौच से मुक्त हो चुका है। अब देश ओडीएफ से ओडीएफ प्लस की दिशा में आगे बढ़ रहा है। शौचालय निर्माण के क्षेत्र में मिली अप्रत्याशित सफलता से पूरा विश्व अचंभित है। मोदी सरकार के प्रयासों की विश्व भर में प्रशंसा हुई और पीएम मोदी को सम्मानित किया गया। आज विश्व के दूसरे देश भी भारत से प्रेरणा ले रहे हैं और विश्व शौचालय दिवस के मकसद को पूरा करने में लगे हुए हैं।

PERFORM INDIA
National Movement for Developed India

स्वच्छ भारत मिशन

खुले में शौच से मुक्त हुआ भारत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2 अक्टूबर, 2019 को देश के खुले में शौच से मुक्त होने की ऐतिहासिक घोषणा की। 'स्वच्छ भारत दिवस' के अवसर पर अहमदाबाद में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि 2 अक्टूबर, 2014 को देश ने पूज्य बापू के सपने को पूरा करने का जो संकल्प लिया था, आज वह सपना साकार हो चुका है। सभी ने स्वच्छता, गरिमा और सम्मान की इस प्रतिज्ञा में अपना योगदान दिया है। दुनिया हमारी इस सफलता से अचंभित है और इसके लिए हमें पुरस्कृत कर रही है।

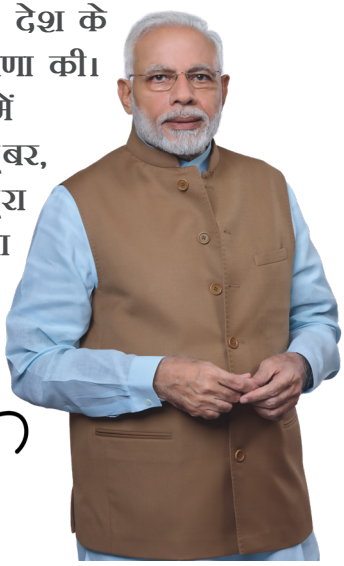

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

नरेन्द्र मोदी

"जन भागीदारी और स्वैच्छिकता स्वच्छ भारत अभियान की पहचान और इसकी सफलता का कारण रही है।"

"जिस तरह देश की आजादी के लिए बापू के एक आह्वान पर लाखों भारतवासी सत्याग्रह के रास्ते पर निकल पड़े थे, उसी तरह स्वच्छाग्रह के लिए भी करोड़ों देशवासियों ने खुले दिल से अपना सहयोग दिया।"

"गांधी जी ने सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह, स्वावलंबन के विचारों से देश को रास्ता दिखाया था। आज हम उसी रास्ते पर चलकर स्वच्छ, स्वस्थ, समृद्ध और सशक्त न्यू इंडिया के निर्माण में लगे हैं।"

खुले में शौच से मिली मुक्ति

100 प्रतिशत घरों में शौचालय

- देश के सभी घरों में व्यक्तिगत घरेलू शौचालय की सुविधा उपलब्ध है।
- 10.5 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया है।
- देश के 699 जिले खुले में शौच से मुक्त हो चुके हैं।

स्वच्छ भारत मिशन की सफलता

स्वच्छता कवरेज

तब	अब
38.7%	100 %
2 अक्टूबर, 2014	2 अक्टूबर, 2019

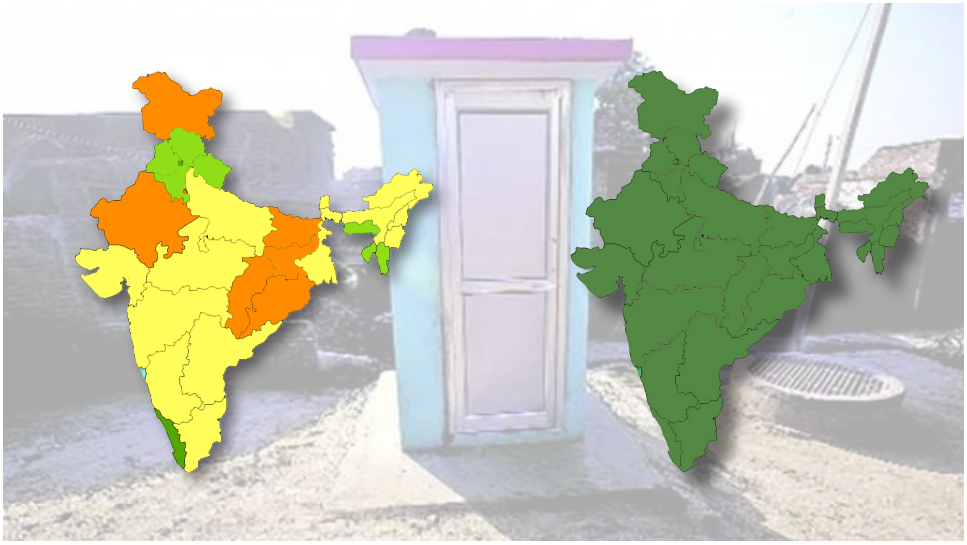

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण)

ODF की दिशा में उल्लेखनीय सफलता

- गांवों में 10 करोड़ से अधिक घरेलू शौचालय बनाये गए।
- 5,99,963 गांव खुले में शौच से मुक्त घोषित किए गए।

स्वच्छ भारत मिशन (शहरी)

ODF की दिशा में उल्लेखनीय सफलता

- शहरों में 60 लाख से अधिक घरेलू शौचालय बनाये गए हैं।
- 5.5 लाख सामुदायिक शौचालय का निर्माण हुआ है।
- 4320 शहर खुले में शौच से मुक्त घोषित किए गए।

6036062	549645	4320
घरेलू शौचालय	सामुदायिक शौचालय	ODF शहर

100% स्कूलों में पहुंचीं स्वच्छता संबंधी सुविधाएं

- संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में पहली बार देश के सभी स्कूलों में स्वच्छता संबंधी सुविधाएं पहुंच गई हैं।
- भारत में 2014 के बाद से बिना शौचालयों वाले स्कूलों की संख्या में तेजी से गिरावट आई है।
- स्वच्छता से स्कूलों में पढ़ाई का अच्छा माहौल बना है और लड़कियां भी स्कूल जाने से नहीं झिझकतीं।

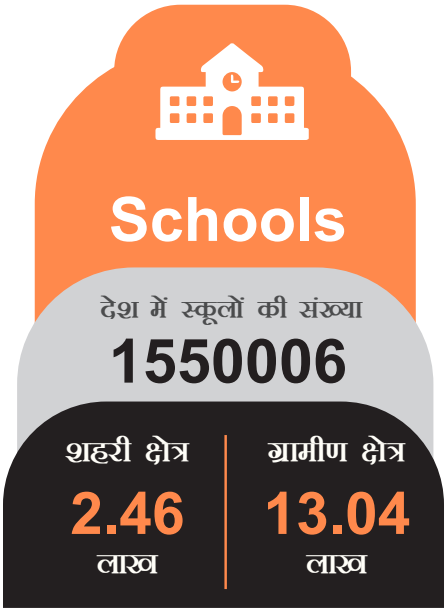

नवंबर 2019

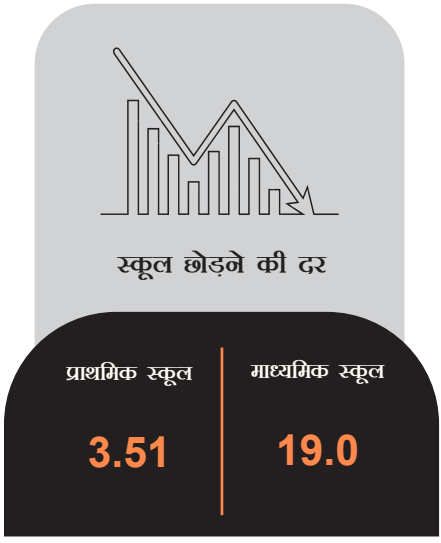

नवंबर 2019

स्वच्छ भारत मिशन की पहल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरे देश को स्वच्छ बनाने के लिए 2 अक्टूबर, 2014 को एक ऐतिहासिक शुरूआत की। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन का आरंभ करते हुए इसे एक जन आंदोलन का रूप दिया। देशभर में स्वच्छता की मुहिम के साथ ही सभी गांवों और शहरों को खुले में शौच से मुक्त करने के लिए अभियान शुरू किया गया। सभी विद्यालयों में छात्र और छात्राओं के लिए अलग-अलग शौचालय बनाये जाने लगे।

नरेन्द्र मोदी

"भारत माता की संतान होने के नाते यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि न हम गंदगी फैलाएंगे और ना ही किसी को ऐसा करने देंगे।"

"एक स्वच्छ भारत के द्वारा ही देश 2019 में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर अपनी सर्वोत्तम श्रद्धांजलि दे सकते हैं।"

पीएम मोदी ने दिलाई स्वच्छ भारत की शपथ

स्वच्छता शपथ

महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था। उसमें सिर्फ राजनैतिक आजादी ही नहीं थी, बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी थी।

महात्मा गांधी ने गुलामी की जंजीरों को तोड़कर मां भारती को आजाद कराया। अब हमारा कर्तव्य है कि गंदगी को दूर करके भारत माता की सेवा करें।

मैं शपथ लेता हूं कि मैं स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहूंगा और उसके लिए समय दूंगा।

हर वर्ष 100 घंटे यानी हर सप्ताह दो घंटे श्रमदान करके स्वच्छता के इस संकल्प को चरितार्थ करूंगा।

मैं न गंदगी करूंगा न किसी और को करने दूंगा।

सबसे पहले मैं स्वयं से, मेरे परिवार से, मेरे मुहल्ले से, मेरे गांव से एवं मेरे कार्यस्थल से शुरूआत करूंगा।

मैं यह मानता हूं कि दुनिया के जो भी देश स्वच्छ दिखते हैं उसका कारण यह है कि वहां के नागरिक गंदगी नहीं करते और न ही होने देते हैं।

इस विचार के साथ मैं गांव-गांव और गली-गली स्वच्छ भारत मिशन का प्रचार करूंगा।

मैं आज जो शपथ ले रहा हूं, वह अन्य 100 व्यक्तियों से भी करवाऊंगा। वे भी मेरी तरह स्वच्छता के लिए 100 घंटे दें, इसके लिए प्रयास करूंगा।

मुझे मालूम है कि स्वच्छता की तरफ बढ़ाया गया मेरा एक कदम पूरे भारत देश को स्वच्छ बनाने में मदद करेगा।

पीएम मोदी खुद बने प्रेरणा स्रोत

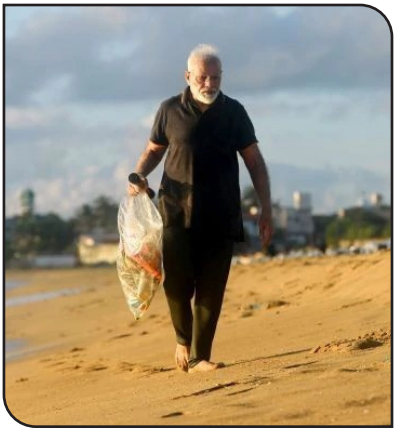

पीएम मोदी ने रखी शौचालय की नींव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के सामने उस समय मिसाल पेश की, जब उन्होंने 23 सितम्बर, 2017 को अपने निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी के शहंशाहपुर गांव में अपने हाथों से पहली बार शौचालय की नींव रखी।

महिलाओं के लिए 'इज्जतघर' है शौचालय

वाराणसी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यहां मुझे शौचालय की ईंट रखने का सौभाग्य मिला और स्वच्छता मेरे लिए एक पूजा है। मैं जिस गांव में गया, वहां शौचालय में लिखा हुआ था- इज्जत घर। उन्होंने कहा कि शौचालय सचमुच में हमारी बहन-बेटियों के लिए यह इज्जतघर है। जहां इज्जतघर है, वहां गांव और घर की भी इज्जत है।

पीएम मोदी ने स्वच्छता को बनाया जन आंदोलन

समाज के हर वर्ग का मिला साथ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वच्छता के प्रति समर्पण ने जनमानस को झकझोरा और उन्हें इस दिशा में कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। पीएम मोदी की कोशिश का व्यापक असर हुआ। स्वच्छ भारत अभियान एक जन आंदोलन बन गया। समाज के विभिन्न वर्गों ने आगे आकर स्वच्छता के इस जन अभियान में हिस्सा लिया है और अपना योगदान दिया है। सर. कारी कर्मचारियों से लेकर जवानों तक, बालीवुड के अभिनेताओं से लेकर खिलाड़ियों तक, उद्योगपतियों से लेकर अध्यात्मिक गुरुओं तक सभी ने इस महान काम के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई।

समाज के एजेंडे पर आ गई स्वच्छता

- महाराष्ट्र में पालघर जिले की महिला सुशीला कुरकुट्टे ने खुद गड्ढा खोदकर शौचालय का निर्माण किया।

- बिहार के पूर्णिया जिले में मेहंदी गांव की तीन महिलाओं ने अपने-अपने जेवर बेचकर अपने-अपने घरों में शौचालय बनवाईं।

तीन महिलाओं ने जेवर बेच बनवाए शौचालय

गोड़ियरपट्टी की तीनों महिलाएं मजदूरी कर करती हैं जीवन-यापन

- उत्तर प्रदेश के कानपुर की रहने वाली लता देवी दिवाकर ने भी घर में शौचालय बनवाने के लिए अपना मंगलसूत्र बेच दिया।

- राजस्थान के राजसमंद जिले के लालसिंह कितावत ने शादी के कार्ड पर लिखवाया कि घर में शौचालय नहीं है तो जीमने (खाना खाने) न आएं।

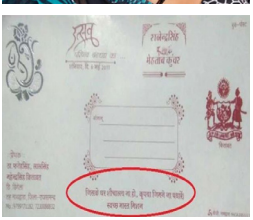

स्वच्छता दूत बनकर कायम की मिसाल

- छत्तीसगढ़ की स्वच्छता दूत पद्मश्री कुंवर बाई 104 की उम्र में बकरी बेचकर गांव में पहला शौचालय बनवाया।

- कर्नाटक के बेल्लारी जिले के तालूर गांव की आठवीं की छात्रा एच. महनकली ने शौचालय के लिए उपवास रखा।

- पीएम मोदी से प्रेरणा लेकर झारखंड के जमशेदपुर की छठी क्लास की छात्रा मोंद्रिता चटर्जी ने पॉकेटमनी से शौचालय बनवाए।

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वच्छ भारत के जमीनी सैनिक

स्वच्छता दूत बने स्वच्छाग्रही

- स्वच्छ भारत अभियान की सफलत में 'स्वच्छाग्रहियों' ने अहम भूमिका निभाई।
- 'स्वच्छाग्रहियों' जिन्हें पहले 'स्वच्छता दूत' कहा जाता था, की एक सेना तैयार की गई।
- स्वच्छाग्रहियों को वर्तमान व्यवस्थाओं जैसे पंचायती राज संस्थाओं, कॉपरेटिव्स, आशा, आंगनवाड़ी कार्यकताओं, महिला समूहों, समुदाय आधारित संगठनों, स्वयं सहायता समूहों आदि के माध्यम से नियोजित किया गया।

स्वच्छ भारत अभियान से महिला सशक्तिकरण

- स्वच्छ भारत मिशन नारी स्वावलम्बन और सशक्तिकरण का प्रतीक बन गया है।
- स्वच्छता मिशन के कारण शिशु मृत्यु दर में कमी आने के साथ-साथ महिलाओं के स्वास्थ्य में भी सुधार हुआ है।
- घरों में शौचालयों की सुविधा होने से महिलाओं से छेड़-छाड़ व बलात्कार की घटनाओं में भी कमी आई है।
- आज स्कूलों में शौचालयों का निर्माण होने से स्कूली छात्राओं के लिये अपनी शिक्षा जारी रखना संभव हो पाया है।
- महिलाएं 'रानी मिस्त्री' बनकर जीविकोपार्जन कर रही है और अपने परिवार की देखभाल कर रही है।

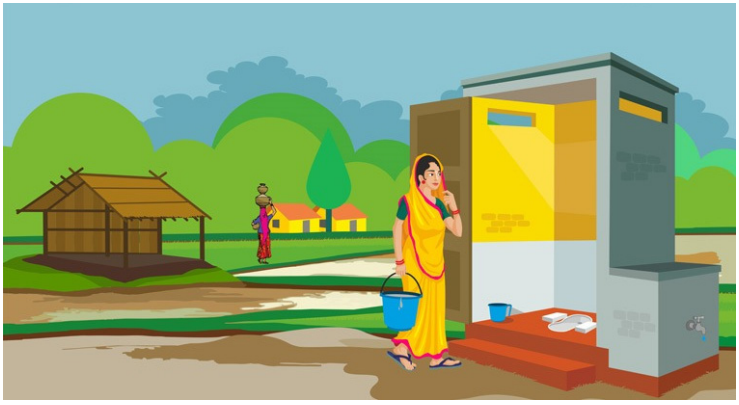

स्वच्छ भारत मिशन से रोजगार में वृद्धि

प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर

- शौचालय निर्माण में राजमिस्त्री, मजदूर और सामग्री आपूर्ति में लोगों को रोजगार मिला।
- एक शौचालय को औसतन एक राजमिस्त्री और दो मजदूरों को तीन दिनों के लिए काम करने की आवश्यकता होती हैं।
- इसका अर्थ है कि एक शौचालय के निर्माण में औसतन नौ व्यक्ति दिवस लगते हैं।
- स्वच्छ भारत मिशान (ग्रामीण) के तहत 10 करोड़ शौचालय बनने से अनुमानित 90 करोड़ व्यक्ति-दिवस रोजगार का सृजन हुआ।

स्वच्छ भारत मिशन को मिली वैश्विक मान्यता

स्वच्छता से आर्थिक बचत

- यूनिसेफ की रिपोर्ट के मुताबिक स्वच्छ भारत मिशन से बीमारियों के इलाज में होने वाले खर्च में कमी आई है।
- ओडीएफ गांव का हर परिवार 50 हजार रुपए की बचत के साथ ही आजीविका का भी बचत करता है।
- यदि कोई परिवार स्वच्छता पर 1 रुपए खर्च करता है तो वह दवाओं पर 4.30 रुपए की बचत करता है।

स्वच्छता की कमी का प्रभाव

- हर साल भारत में एक लाख से भी अधिक बच्चों की मौत होती है।
- भारत को हर साल करीब 3.46 लाख करोड़ रु. का नुकसान होता है।

स्वच्छता से बच्चों को मिली जिंदगी

- डब्ल्यूएचओ के मुताबिक स्वच्छ भारत मिशन से तीन लाख से अधिक लोगों की जिंदगियां बच सकती हैं।
- डब्ल्यूएचओ विशेषज्ञ रिचर्ड जॉनस्टन ने कहा कि 2014 से पहले हर साल डायरिया के 19.9 करोड़ मामले सामने आते थे।
- डायरिया के मामले धीरे-धीरे घट रहे हैं और सुरक्षित स्वच्छता सुविधाओं के इस्तेमाल से इसका पूरी तरह सफाया हो जाएगा।
- भारत में पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मौत की संख्या 2017 में घटकर 8 लाख हो गई, जो दो साल पहले लगभग 10 लाख थी।
- जिन जिलों को खुले में शौच मुक्त घोषित किया गया है, वहां बच्चों को दस्त, संक्रमण आदि की बीमारियां कम होती हैं।

स्वच्छता अभियान से प्रदूषण में कमी

यूनिसेफ ने लगाई मुहर

- यूनिसेफ के एक अध्ययन के मुताबिक स्वच्छ भारत मिशन से भूजल के प्रदूषण में कमी आई।
- खुले में शौच से मुक्त गांवों में मल प्रदूषण, भूजल संदूषण, मृदा प्रदूषण, खाद्य प्रदूषण और पेयजल प्रदूषण में कमी आई।
- खुले में शौच का आंकड़ा **2004-2014** के बीच **3%** प्रति वर्ष और **2015-19** के बीच **12%** प्रति वर्ष की कमी आई।
- खुले में शौच से मुक्त गांवों की तुलना में **non-ODF** गांवों के भूजल के दूषित होने की संभावना **11.25** गुना अधिक थी।

BILL & MELINDA GATES foundation

बच्चों के कुपोषण में कमी

- मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की एक स्टडी के मुताबिक ओडीएफ क्षेत्रों में डायरिया के मामलों में 32 प्रतिशत की कमी
- बच्चों के स्वस्थ विकास में आने वाली बीमारियों में 15 प्रतिशत की कमी और महिलाओं के BMI (Body Mass Index) में सुधार
- महिलाओं और बच्चों का बेहतर पोषण और स्वास्थ्य स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति और बेहतर शिक्षण परिणामों में योगदान देता है।

स्वच्छ भारत मिशन की वैश्विक प्रशंसा

- यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने 2 अक्टूबर, 2018 को भारत में महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छता सम्मेलन को संबोधित किया।
- गुटेरेस ने कहा कि मैं पीएम मोदी को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने विलक्षण नेतृत्व और दूरदृष्टि का परिचय दिया है।
- दुनिया भर में 2.3 अरब लोगों को अब भी बुनियादी स्वच्छता सुविधाएं सुलभ नहीं हैं।
- मेरा मानना है कि भारत में जो कुछ हो रहा है उससे आंकड़े तेजी से बदल रहे हैं।

(यूएन महासचिव ने एंटोनियो गुटेरेस कहा, "मैं भारत की सराहना करता हूं कि उसने खुले में शौच से मुक्ति को उच्चतम स्तर पर और समूची सरकार में प्राथमिकता दी।")

अमेरिका के उद्योगपति रे डेलियो ने ट्वीट किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई। मोदी सरकार ने 10 करोड़ शौचालयों का निर्माण किया, जिससे बीमारियां घटी और करीब 3 लाख जिंदगियां बच गईं।

Ray Dalio
@RayDalio

He is doing that by providing both basics and cutting edge digital technologies as part of his mission for India's direction. For example his government built more than 100 million toilets which reduced diseases potentially saving approximately 300,000 lives by some estimates.

8:23 AM · Nov 8, 2019 · Twitter for iPhone

प्रख्यात लेखक रस्किन बॉन्ड ने की मोदी सरकार के स्वच्छता अभियान की तारीफ

- रस्किन बांड ने कहा कि मोदी सरकार के स्वच्छता अभियान की वजह से देश के कई शहर आज साफ-सुथरे दिखाई दे रहे हैं।
- मोदी सरकार के स्वच्छता अभियान की वजह से देशवासियों में जागरूकता आई है और स्वच्छता की अहमियत को लेकर अब लोग फिक्रमंद हो गए हैं।

स्वच्छ भारत मिशन के लिए पीएम मोदी को मिला 'ग्लोबल गोलकीपर अवॉर्ड'

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को स्वच्छ भारत मिशन के लिए बिल और मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की ओर से 'ग्लोबल गोलकीपर अवार्ड' से सम्मानित किया गया।
- पीएम मोदी ने पुरस्कार को 130 करोड़ भारतीयों को समर्पित करते हुए कहा कि ये सम्मान उन भारतीयों को समर्पित है, जिन्होंने स्वच्छ भारत मिशन को एक जनआंदोलन में बदला।

स्वच्छ भारत मिशन सफलता के नए आयाम

ओडीएफ से ओडीएफ प्लस की दिशा में बढ़ते कदम

- स्वच्छ भारत मिशन के तहत अविश्वसनीय प्रगति के बाद, अब इस गति को बनाये रखने पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।
- अब भारत ओडीएफ के अगले स्तर - ओडीएफ प्लस की दिशा में आगे बढ़ रहा है।
- ओडीएफ प्लस बनने में प्रमुख घटक हैं ओडीएफ-सस्टेनेबिलिटी, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट और लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट ।
- उस गांव को ओडीएफ प्लस माना जाएगा, जो ओडीएफ स्थिति को बनाए रखता है और ठोस और तरल कचरे का प्रबंधन करता है।